ToB बालमंच

मासिक दिसम्बर- 2021 नन्हीं कलम से .....

क्रिसमस विशेषांक

इस अंक में पढ़ें

सम्पादक सह क्रिएटिव डिजाइनर :- त्रिपुरारि राय
म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)

अंक-19

प्रधान संपादिका :- रूबी कुमारी
उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)

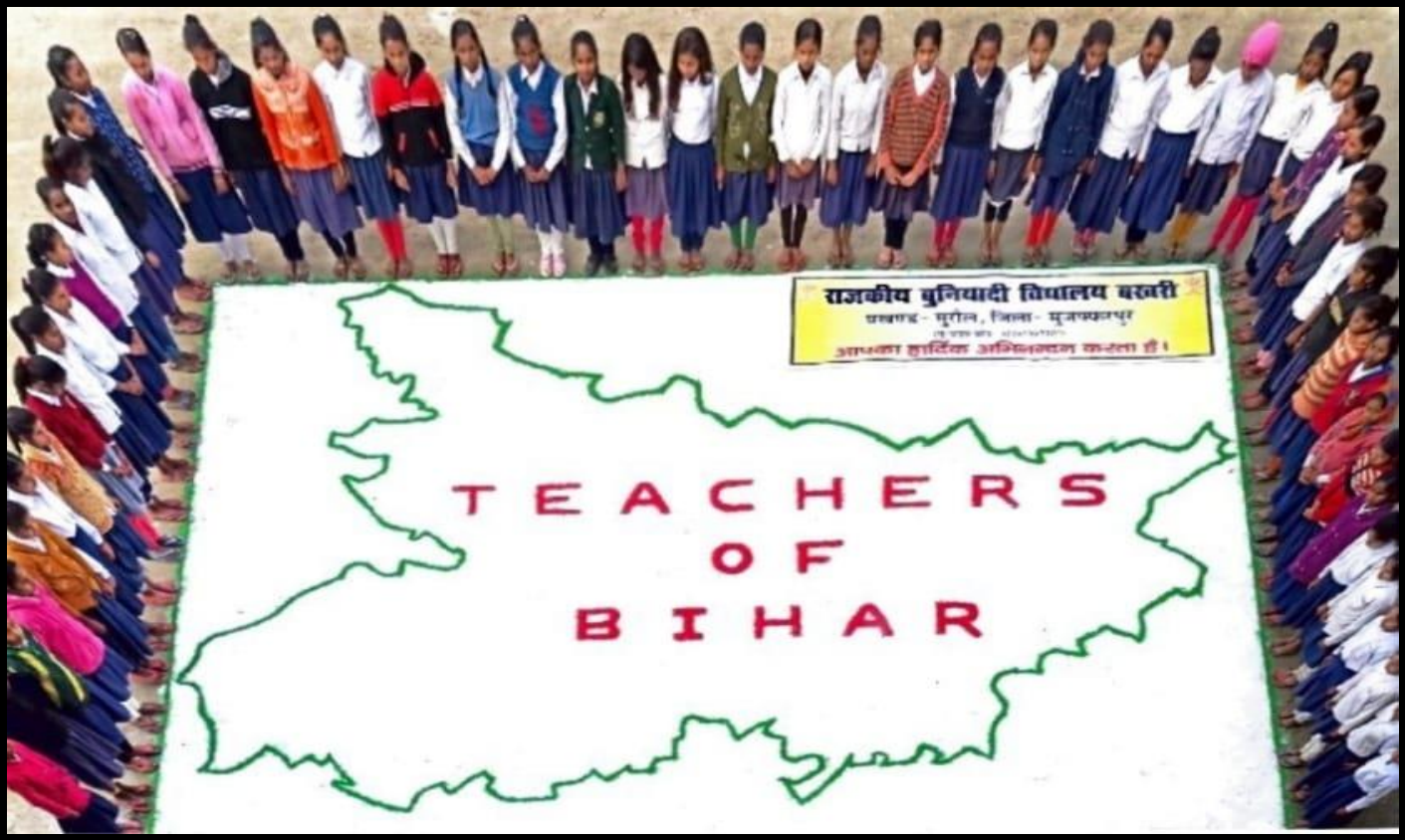

Created with
PDFBear.com

प्रधान संपादिका के कलम से.....

प्यारे बच्चों,

सरकारी विद्यालय के बाल कलाकारों के उत्कृष्ट क्रियाकलापों, रचनाओं, गतिविधियों को समर्पित "ToB बालमंच, नन्हीं कलम से...✍□" का 19 वां अंक आपको सौंपते हुए अपार हर्ष की अनुभूति हो रही है। यह अंक हमें बेहद उत्साहित करने तथा सीख देने वाला क्रिसमस विशेषांक है। बच्चों, आ गया इस अंक के साथ सैंटा क्लॉस आपको ढेर सारा गिफ्ट देने। आपने कहानियों में ऐसा जरूर सुना होगा कि सैंटा क्लॉस सभी बच्चों को तोहफे देते हैं, रोते बच्चों को हंसाते हैं।

तो बच्चों! क्या हमें भी ऐसा नहीं बनना चाहिए? इनसे हमें सीख मिलती है कि परोपकार बहुत बड़ा धर्म होता है। हमें रोतों को हंसाना, उनके दुख दूर करना, आत्मनिर्भर बनना तथा बनाना, किसी की तकलीफ दूर करने का हर संभव प्रयास करना यह सारी बातें अपना कर हम भी सैंटा क्लॉस के सरीखे बन सकते हैं।

और बच्चों! आत्मनिर्भर बनने के लिए जरूरत है कि आप अपनी प्रतिभा में अत्यधिक निखार लाएं और अपनी लगन और मेहनत से अपना और हमारे देश का भविष्य उज्जवल बनाएं ।हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि ऐसा जरूर होगा।

यह अंक आपको कैसा लगा? इसे ई-मेल या व्हाट्सएप के माध्यम से अवश्य बताएं।हम इसे भी बालमन नामक स्थाई स्तंभ के रूप में प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

हमारे नन्हे-मुन्ने बच्चों तथा बालमंच की उज्जवल भविष्य की कामना के साथ .....

रूबी कुमारी

प्रधान संपादिका

ToB बालमंच, नन्हीं कलम से...✍

Created with PDFBear.com

सम्पादकीय

नमस्कार बालमित्रों,

25 दिसंबर को क्रिसमस का त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन ईसा मसीह का जन्म हुआ था। बताया जाता है कि 25 दिसंबर के दिन रोम के लोग रोमन उत्सव के रूप में सेलिब्रेट करते थे और एक दूसरे को बहुत सारे उपहार देते थे। बताया जाता है कि धीरे-धीरे यह उत्सव बड़ा होता गया। इसकी भव्यता को देखते हुए इस दिन को लोग बड़ा दिन कहने लगे, तभी से 25 दिसंबर को 'बड़ा दिन' कहा जाता है। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन बहुत दान-पुण्य किए जाते हैं इसलिए से 'बड़ा दिन' नाम दिया गया है। मान्यता है कि इस दिन रात की अपेक्षा दिन बड़ा होता है यही कारण है कि इस दिन को 'बड़ा दिन' कहा जाने लगा। ईसाईयों के लिए यह सबसे बड़ा त्यौहार होता है इसीलिए उनके लिए ये सबसे 'बड़ा दिन' होता है। इस दिन क्रिसमस-ट्री को सजाने की परंपरा भी है। क्रिसमस-ट्री को सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। 'क्रिसमस विशेषांक' का यह 19 वां अंक आप सबों के लिए तैयार है आपकी बहुत सारी चित्रकारी और कलाकारी के साथ| आशा है यह अंक आप सबों को बहुत पसंद आएगा |आप इसी तरह हमें अपनी रचनाएं भेजते रहें|मित्रों 'TOB बालमंच' का यह अंक कैसा लगा हमें जरूर बताइए|

ढेर सारी शुभकामनाओं सहित.....

त्रिपुरारि राय
सम्पादक, 'ToB बालमंच',
सहायक शिक्षक, मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

Created with
PDFBear.com

सम्पादक मंडल

प्रधान संपादिका	:-	रूबी कुमारी, उ. म. वि. सरौनी, बौंसी (बाँका)
सम्पादक / ग्राफिक्स डिजाइनर	:-	त्रिपुरारि राय, म. वि. रौटी, महिषी (सहरसा)
सह-संपादिका	:-	ज्योति कुमारी, म.वि. भनरा, चन्दन (बाँका)
प्रूफ रीडर	:-	विकास कुमार, म.वि.महिसरहो,महिषी (सहरसा)
सहयोगकर्ता	:-	1. मृत्युंजयम् , म.वि.नवाबगंज, समेली, (कटिहार) 2. रंजेश कुमार, प्रा. वि. छुरछुरिया. फारबिसगंज, (अररिया) 3. निधि चौधरी, प्रा. वि. सुहागी, ठाकुरगंज (किशनगंज)
संरक्षक	:-	1. शिव कुमार, संस्थापक- टीचर्स ऑफ़ बिहार 2. ई. शिवेंद्र प्रकाश सुमन, ToB तकनीकी टीम लीडर
मीडिया प्रभारी	:-	केशव कुमार, रा.बु.वि. बखरी, मुरौल (मुजफ्फरपुर)

-: स्थाई स्तंभ :-

1. प्रधान सम्पादक की कलम से
2. सम्पादकीय
3. आवरण कथा
4. कविता
5. कहानी
6. हँसो रे बाबू
7. बूझो तो जानें
8. वैज्ञानिक कारण
9. कहानी बनाओ प्रतियोगिता
10. अखबारों की नजर में हम
11. उभरते सितारे
12. तकनीकी कोना
13. बालमन
14. विद्यालयी क्रियाकलाप
15. क्या आप जानते हैं ?
16. अंग्रेजी सीखें
17. ड्राइंग / पेंटिंग
18. उभरते सितारे
19. फोटो ऑफ़ द मंथ
20. हिंदी ज्ञान
21. प्रमुख दिवसें
22. प्रेरक प्रसंग
23. रोचक तथ्य
24. खेल-खेल में योग
25. तुम भी बनाओ.....
26. आपकी बात आपकी जुबानी

Created with PDFBear.com

प्रेरक प्रसंग

एक गुरु के दो शिष्य थे। एक पढ़ाई में बहुत तेज और विद्वान था और दूसरा फिसड्डी। पहले शिष्य की हर जगह प्रसंशा और सम्मान होता था। जबकि दूसरे शिष्य की लोग उपेक्षा करते थे। एक दिन रोष में दूसरा शिष्य गुरू जी के जाकर बोला, "गुरूजी! मैं उससे पहले से आपके पास विद्याध्ययन कर रहा हूँ। फिर भी आपने उसे मुझसे अधिक शिक्षा दी।"

गुरुजी थोड़ी देर मौन रहने के बाद बोले, "पहले तुम एक कहानी सुनो। एक यात्री कहीं जा रहा था। रास्ते में उसे प्यास लगी। थोड़ी दूर पर उसे एक कुआं मिला। कुएं पर बाल्टी तो थी लेकिन रस्सी नही थी। इसलिए वह आगे बढ़ गया। थोड़ी देर बाद एक दूसरा यात्री उस कुएं के पास आया। कुएं पर रस्सी न देखकर उसने इधर-उधर देखा।पास में ही बड़ी बड़ी घास उगी थी। उसने घास उखाड़कर रस्सी बटना

शुभकामना संदेश

विगत दिनों राज्य के कई जिलों से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हुई कि विश्व की प्रतिष्ठित संस्था यूनिसेफ के द्वारा बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार को बिहार में शैक्षिक बेहतरी के लिए किए जाने वाले कार्यों के लिए अपना पार्टनर बनाया गया है। यह बहुत ही प्रसन्नता का विषय है। इसके लिए टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार एवं उनकी पूरी टीम बधाई के पात्र हैं। जहां तक मेरी समझ बनती है उसके अनुसार टीचर्स ऑफ़ बिहार, बिहार के सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों का एक ऐसा मंच है जहां बिहार के विभिन्न जिलों के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी शिक्षक अपने-अपने विद्यालयों में आयोजित नवाचारी गतिविधि को साझा करते हैं। शिक्षकों के द्वारा साझा किए गए नवाचारी गतिविधि से सभी शिक्षक एक दूसरे के नवाचारों से प्रेरणा लेते हैं और उसे अपने विद्यालय में भी अपनाते हैं जिसके परिणामस्वरूप शिक्षा व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से देखने को मिलते रहता है। खासकर बिहार के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की स्व-रचित कविता, कहानी, चुटकुले एवं चित्रकारी आदि को प्रधान संपादिका श्रीमती रूबी कुमारी, शिक्षिका, उ.म.वि. सरौनी, बौंसी, जिला- बांका एवं सम्पादक - सह- ग्राफ़िक डिज़ाइनर, शिक्षक श्री त्रिपुरारी राय, म.वि. रौटी, महिषी, जिला- सहरसा के द्वारा मासिक पत्रिका "बाल मंच" नन्हीं कलम से....में प्रकाशित किया जाता है। इससे बिहार के शिक्षक एवं बच्चे प्रेरित होकर अपने विद्यालय के बच्चों के बीच भी उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा लेते हैं। इसका दूरगामी परिणाम भविष्य में बिहार की शिक्षा व्यवस्था में अप्रत्याशित परिवर्तन के रूप में देखने को जरूर मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि बिहार के शिक्षक एवं शिक्षिकाएं अपने-अपने विद्यालय के बच्चों के बीच वर्ग कक्ष में आवश्यकतानुसार शिक्षण अधिकगम सामग्री का समुचित प्रयोग एवं शिक्षण शैली में नवाचारी गतिविधि का समावेशन शत-प्रतिशत करने का प्रयास करें। साथ ही अपने उत्कृष्ट नवाचारी गतिविधि से संबंधित फोटोज एवं विडियोज को छात्र एवं शिक्षक हित में टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर जरूर साझा करें। जिससे अन्य विद्यालयों के अधिक से अधिक शिक्षक एवं बच्चे लाभान्वित हो सके।

शुभकामनाओं सहित।

अब्दुस सलाम अंसारी
जिला शिक्षा पदाधिकारी
मुजफ्फरपुर

Created with PDFBear.com

प्रारम्भ किया। थोड़ी देर में एक लंबी रस्सी तैयार हो गयी। जिसकी सहायता से उसने कुएं से पानी निकाला और अपनी प्यास बुझा ली।" गुरु जी ने उस शिष्य से पूछा, "अब तुम मुझे यह बताओ कि प्यास किस यात्री को ज्यादा लगी थी?" शिष्य ने तुरंत उत्तर दिया कि दूसरे यात्री को।

गुरूजी फिर बोले, "प्यास दूसरे यात्री को ज्यादा लगी थी। यह हम इसलिए कह सकते हैं क्योंकि उसने प्यास बुझाने के लिए परिश्रम किया। उसी प्रकार तुम्हारे सहपाठी में ज्ञान की प्यास है। जिसे बुझाने लिए वह कठिन परिश्रम करता है। जबकि तुम ऐसा नहीं करते।"

शिष्य को अपने प्रश्न का उत्तर मिल चुका था। वह भी कठिन परिश्रम में जुट गया।

विकास कुमार,
म.वि.महिसरहो, महिषी
(सहरसा)

Ravi Kishan, Class- 8,
UMS Silouta

कहानी बनाओ

दिए गए चित्र को देखें और उसपर एक सुन्दर सा कहानी लिख कर हमें भेजें| उत्कृष्ट कहानी को टीचर्स ऑफ़ बिहार के तरफ से पुरष्कृत किया जाएगा |कहानी के साथ अपना पूरा पता और फोन नम्बर अवश्य दें |

बूझो तो जानें

पानी से निकला पेड़ एक,
पात नहीं पर डाल अनेक,
इस पेड़ की ठंडी छाया,
बैठ के नीचे उसको पाया,
बताओ क्या ?

पिछले अंक का उत्तर- छाता

क्या आप जानते हैं ?

महाराष्ट्र का राजकीय पक्षी हरियल एक ऐसा पक्षी है, जो कभी धरती पर अपना पैर नहीं रखता | इन्हें ऊंचे-ऊंचे पेड़ वाले जंगल पसंद हैं| हरियल पक्षी अक्सर अपना घोंसला पीपल और बरगद के पेड़ पर बनाना पसंद करते हैं| ये सामाजिक प्राणी हैं और अधिकतर झुंड में ही पाए जाते हैं|

हँसो रे बाबू

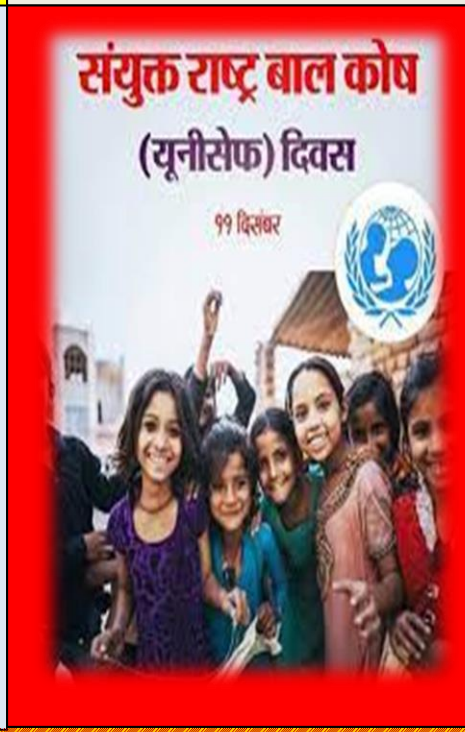

Created with
PDFBear.com

अंग्रेजी सीखें

ARTICLE By- Tripurari Roy

.....Rest of previous month (Part-2)

Count nouns - refers to items that can be counted and are either singular or plural

Non-count nouns - refers to items that are not counted and are always singular

For the purposes of understanding how articles are used, it is important to know that nouns can be either **count** (can be counted) or **noncount** (indefinite in quantity and cannot be counted). In addition, count nouns are either **singular** (one) or **plural** (more than one). **Noncount** nouns are always in **singular** form.

For example, if we are speaking of water that has been spilled on the table, there can be one drop (**singular**) or two or more drops (**plural**) of water on the table. The word *drop* in this example is a **count** noun because we can count the number of drops. Therefore, according to the rules applying to **count** nouns, the word *drop* would use the articles *a* or *the*.

However, if we are speaking of water in general spilled on the table, it would not be appropriate to count *one water* or *two waters* -- there would simply be *water* on the table. Water is a **noncount** noun. Therefore, according to the rules applying to **noncount** nouns, the word *water* would use *no article* or *the*, but not *a*.

CONTINUDE.....

फोटो ऑफ़ द मंथ

निभा , वर्ग-8, मध्य विद्यालय नवाबगंज समेली, कटिहार

तकनीकी कोना..... ई. शिवेंद्र सुमन

खान अकादमी ऐप गणित, अर्थशास्त्र, विज्ञान, वित्त, व्याकरण इतिहास और अन्य विषयों के लिए हजारों वीडियो और लेखों के माध्यम से ई-लर्निंग प्रदान करता है। यह छठी से बारहवीं कक्षा के छात्रों के लिए भी लक्षित है। इनके सभी वीडियो को eLots के app एवम webiste पर भी वर्ग वार मैप किया गया है । ऐप छात्रों को अभ्यास प्रश्न, चरण-दर-चरण संकेत और त्वरित प्रतिक्रिया प्रदान करता है। इसमें सामग्री के माध्यम से आसान नेविगेशन के लिए बुकमार्क फीचर, ऑफलाइन एक्सेस और ऐप और khanacademy.org के बीच डिवाइस सिंकिंग की सुविधा भी है।

AppUrl:
https://play.google.com/store/apps/details?id=org.khanacademy.android

प्रमुख दिवसें

1 दिसंबर -	विश्व एड्स दिवस (विश्व)
	सीमा सुरक्षा बल स्थापना दिवस
2 दिसंबर -	राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस
	विश्व कंप्यूटर साक्षरता दिवस
3 दिसंबर -	अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस
	भोपाल गैस त्रासदी दिवस
5 दिसंबर -	अंतरराष्ट्रीय मृदा दिवस
4 दिसंबर -	भारतीय नौसेना दिवस
7 दिसंबर -	भारतीय सशस्त्र सेना झण्डा दिवस
10 दिसंबर -	विश्व मानवाधिकार दिवस
11 दिसम्बर -	यूनिसेफ दिवस
14 दिसंबर -	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
18 दिसंबर -	अल्पसंख्यक अधिकार दिवस
19 दिसंबर -	गोवा मुक्ति दिवस
20 दिसंबर -	अंतरराष्ट्रीय मानव एकता दिवस
22 दिसंबर -	राष्ट्रीय गणित दिवस
23 दिसंबर -	किसान दिवस
24 दिसंबर -	राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस

Created with PDFBear.com

हिंदी ज्ञान

निबंध लेखन

.....पिछले अंक का शेष (भाग-2)

निबंध के 4 अंग होते हैं:-

1. **शीर्षक** : निबंध में हमेशा शीर्षक आकर्षक होना जरूरी है। शीर्षक पढ़ने से लोगों में उत्सुकता ज्यादा होती है।

2. **प्रस्तावना**: निबंध में सबसे श्रेष्ठ प्रस्तावना होती है, भूमिका नाम से भी इसे जाना जाता है । निबंध की शुरुआत में हमें किसी भी प्रकार की स्तुति , श्लोक या उदाहरण से करते हैं तो उसका अलग ही प्रभाव पड़ता है।

3. **विषय विस्तार** – निबंध में विषय विस्तार का सर्व प्रमुख अंश होता है, इसके अंदर तीन से चार अनुच्छेदों को अलग-अलग पहलुओं पर विचार प्रकट किया जा सकता है। निबंध लेखन में इसका संतुलन होना बहुत ही आवश्यक है। विषय विस्तार में निबंध कार अपने दृष्टिकोण को प्रकट करते हुए बता सकता है ।

4. **उप संहार** – उप संहार को निबंध में सबसे अंत में लिखा जाता है। पूरे निबंध में लिखी गई बातों को हम एक छोटे से अनुच्छेद में बता सकते हैं। इसके अंदर हम संदेश , उपदेश , विचारों या कविता की पंक्ति के माध्यम से भी निबंध को समाप्त कर सकते हैं ।

क्रमशः ....

बालमन

ToB बालमंच मुझे बहुत अच्छा लगता है। खासकर बहुत सारे चित्र देखकर अच्छा लगता है। बहुत कुछ सीखने को मिलता है। कविताऐं भी होती है जिसमें मुझे बहुत मजा आता है। मैं चाहती हूँ कि पंचतंत्र की कहानी भी छपे ताकि हम सभी कहानी को बालमंच पर पाए तो मुझे बहुत अच्छा लगेगा और खुशी होगी।

नेहा कुमारी, वर्ग-अष्टम
मध्य विद्यालय भनरा, चांदन (बांका)

TEACHERS OF BIHAR
The change makers....

वैज्ञानिक कारण

Merry Christmas 2021
क्यों कहा जाता है इस दिन को 'बड़ा दिन'?

25 दिसंबर को क्यों कहा जाता है 'बड़ा दिन' ?

25 दिसंबर को क्रिसमस का त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन को 'बड़ा दिन' भी कहा जाता है। हर साल 25 दिसंबर को क्रिसमस त्यौहार मनाया जाता है।

इस दिन को 'बड़ा दिन' भी कहा जाता है। इस त्यौहार को पूरा जोश और उत्साह के साथ मनाया जाता है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस त्यौहार को 'बड़ा दिन' कहकर पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इन सबके बीच सबसे बड़ा सवाल है कि इस दिन को 'बड़ा दिन' क्यों कहा जाता है?

25 दिसंबर को क्रिसमस का त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन ईसा मसीह का जन्म हुआ था। बताया जाता है कि 25 दिसंबर के दिन रोम के लोग रोमन उत्सव के रूप में सेलिब्रेट करते थे और एक दूसरे को बहुत सारे उपहार देते थे। बताया जाता है कि धीरे-धीरे यह उत्सव बड़ा होता गया। इसकी भव्यता को देखते हुए इस दिन को लोग बड़ा दिन कहने लगे, तभी से 25 दिसंबर को 'बड़ा दिन' कहा जाता है। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन बहुत दान-पुण्य किए जाते हैं इसलिए से 'बड़ा दिन' नाम दिया गया है। मान्यता है कि इस दिन रात की अपेक्षा दिन बड़ा होता है यही कारण है कि इस दिन को 'बड़ा दिन' कहा जाने लगा। ईसाईयों के लिए यह सबसे बड़ा त्यौहार होता है इसीलिए उनके लिए ये सबसे 'बड़ा दिन' होता है। इस दिन क्रिसमस-ट्री को सजाने की परंपरा भी है। क्रिसमस-ट्री को सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

-: प्रस्तुतकर्ता :-
त्रिपुरारि राय
मध्य विद्यालय रौटी, महिषी (सहरसा)

खेल-खेल में योग..... उष्ट्रासन

विधि:-वज्रासन की स्थिति में बैठें। अब एड़ियों को खड़ा करके उन पर दोनों हाथों को रखें हाथों को इस प्रकार रखें कि उंगलियां अंदर की ओर तथा अंगुष्ठ बाहर की ओर हों। श्वास अंदर भरकर सिर एवं ग्रीवा को पीछे मोड़ते हुए कमर को ऊपर उठाएं। श्वास छोड़ते हुए एड़ियों पर बैठ जाएं। इस प्रकार तीन-चार आवृत्ति करें।

लाभ:-यह आसान श्वसन-तंत्र के लिए बहुत लाभकारी है। फेफड़ों के प्रकोष्ठ को सक्रिय करता है, जिससे श्वास एवं दमा के रोगियों को लाभ होता है। सर्वाइकल, स्पॉन्डोलाइटिस एवं सायटिका आदि समस्त मेरुदंड के रोगों को दूर करता है। थायराइड के लिए भी लाभकारी है।

Created with PDFBear.com

अखबारों के नजर में हम

الوطن

03

یونیسیف اور بہار کے اساتذہ تعلیمی بہتری کے لیے کام کریں گے

विश्व की प्रतिष्ठित संस्था यूनिसेफ ने बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार को बनाया अपना पार्टनर

यूनिसेफ और टीचर्स ऑफ बिहार दोनों साथ मिलकर करेंगे बिहार की शैक्षिक बेहतरी के लिए कार्य

इस समीक्षात्मक बैठक में शामिल यूनिसेफ बिहार के चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस नफीसा विनते शफीक, प्रोग्राम मैनेजर शिवेंद्र पांडेय, शिक्षा विशेषज्ञ पुष्पा जोशी, कंसल्टेंट सैयद अब्दुल मोइन, प्लानिंग मॉनिटरिंग एंड इवेल्यूएशन स्पेशलिस्ट प्रसन्ना ऐश एवं वास ऑफिसर प्रभाकर सिन्हा ने भी ने भी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा बिहार में शैक्षिक बेहतरी के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की है

मोतिहारी

कुमार तेजस्वी.पटना स्थित होटल चाणक्य में यूनिसेफ बिहार के तरफ से यूनिसेफ के द्वारा बिहार में संचालित कार्यों की समीक्षा के लिए एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार को भी अपने कार्यों को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। टीचर्स ऑफ बिहार के तरफ से प्रतिनिधि के रूप में शामिल भागलपुर जिले की शिक्षिका सह टीम की मॉडरेटर खुशबू कुमारी एवं नम्रता मिश्रा के द्वारा टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले सारे डॉक्यूमेंट्स एवं विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जा रहे शैक्षिक जागरूकता से संबंधित कार्यों की प्रस्तुति दी गई। इस समीक्षात्मक बैठक में शामिल यूनिसेफ बिहार के चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस नफीसा विनते शफीक, प्रोग्राम मैनेजर शिवेंद्र पांडेय, शिक्षा विशेषज्ञ पुष्पा जोशी, कंसल्टेंट सैयद अब्दुल मोइन, प्लानिंग मॉनिटरिंग एंड इवेल्यूएशन स्पेशलिस्ट प्रसन्ना ऐश एवं वास ऑफिसर प्रभाकर सिन्हा ने भी ने भी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा बिहार में शैक्षिक बेहतरी के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की है। यूनिसेफ बिहार की चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस नफीसा विनते शफीक ने कहा कि बिहार के सरकारी विद्यालयों के बच्चों और शिक्षकों की प्रतिभाओं को और समाज में शिक्षकों के सम्मान को आगे बढ़ाने के लिए टीचर्स ऑफ बिहार लगातार प्रयास कर रही है।

इसके बावजूद पूर्णतः निःस्वार्थ भाव से बिहार के शिक्षकों की बेहतरी के लिए टीचर्स ऑफ बिहार समर्पित होकर लगातार कार्य कर रही है

टीचर्स ऑफ बिहार के लिए सबसे खास बात यह रही कि यूनिसेफ के द्वारा पूर्व में भी टीचर्स ऑफ बिहार के संयुक्त तत्वावधान में कई शैक्षिक एवं जन जागरूकता से संबंधित कार्यों को संपादित करने का मौका मिला लेकिन आज तक टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा इसके बदले में यूनिसेफ सहित किसी भी अन्य संस्था या गैर सरकारी संगठन से कोई भी राशि नहीं ली गई। इसके बावजूद पूर्णतः निःस्वार्थ भाव से बिहार के शिक्षकों की बेहतरी के लिए टीचर्स ऑफ बिहार समर्पित होकर लगातार कार्य कर रही है। टीचर्स ऑफ बिहार के इसी निःस्वार्थ कार्य की भावना को देखकर यूनिसेफ की टीम ने बिहार में अपने स्तर से किए जा रहे शैक्षिक कार्यों की बेहतरी के लिए अपने सहयोगी के रूप में मान्यता दी है। आने वाले समय में यूनिसेफ के द्वारा बिहार में जो भी कार्य शैक्षिक बेहतरी के लिए किए जाएंगे उसमें टीचर्स ऑफ बिहार की भी पूर्णतः सहभागिता रहेगी। टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार ने यूनिसेफ जैसी प्रतिष्ठित संस्था के साथ बिहार में बिहार की शैक्षिक बेहतरी के लिए निःस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए आमंत्रित किए जाने पर हर्ष व्यक्त की है। साथ ही यूनिसेफ की इस पहल को टीचर्स ऑफ बिहार की टीम एवं बिहार के शिक्षकों के लिए बड़ी उपलब्धि बताई है। उन्होंने बिहार के शिक्षकों से अपील की है कि बिहार में शैक्षिक बेहतरी के लिए अपने-अपने विद्यालयों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को टीचर्स ऑफ बिहार के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जरूर साझा करें जिससे बिहार के लाखों शिक्षक आपके नवाचारी गतिविधि को अपने विद्यालय में अपना कर विद्यालय के बच्चों को लाभान्वित करा सकें। इसकी जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवम् प्रदेश मीडिया समन्वयक-मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी

यूनिसेफ और टीचर्स ऑफ बिहार दोनों साथ मिलकर करेंगे बिहार की शैक्षिक बेहतरी के लिए कार्य

भागलपुर की शिक्षिका खुशबू पंडित और नम्रता मिश्रा संभालेगीं बागडोर

विशेष कुमार/भागलपुर

जन अखबार: मंगलवार को पटना स्थित होटल चाणक्य में यूनिसेफ बिहार के तरफ से यूनिसेफ के द्वारा बिहार में संचालित कार्यों की समीक्षा के लिए एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार को भी अपने कार्यों को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। टीचर्स ऑफ बिहार के तरफ से प्रतिनिधि के रूप में शामिल भागलपुर जिले की शिक्षिका सह टीम की मॉडरेटर खुशबू कुमारी एवं नम्रता मिश्रा के द्वारा टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले सारे डॉक्यूमेंट्स एवं विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए जा रहे शैक्षिक जागरूकता से संबंधित कार्यों की प्रस्तुति दी.इस समीक्षा बैठक में शामिल यूनिसेफ बिहार के चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस नफीसा विनते शफीक, प्रोग्राम मैनेजर शिवेंद्र पांडेय, शिक्षा विशेषज्ञ पुष्पा जोशी, कंसल्टेंट सैयद अब्दुल मोइन, प्लानिंग मॉनिटरिंग एंड इवेल्यूएशन स्पेशलिस्ट प्रसन्ना ऐश एवं वास ऑफिसर प्रभाकर सिन्हा ने भी ने भी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा बिहार में शैक्षिक बेहतरी के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की है। यूनिसेफ बिहार की चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस नफीसा विनते शफीक ने कहा कि बिहार के सरकारी विद्यालयों के बच्चों और शिक्षकों की प्रतिभाओं को और समाज में शिक्षकों के सम्मान को आगे बढ़ाने के लिए टीचर्स ऑफ बिहार लगातार प्रयास कर रहा है.

यूनिसेफ व टीचर्स ऑफ बिहार दोनों साथ मिल करेंगे बिहार की शैक्षणिक बेहतरी के लिए काम

प्रतिनिधि, सहरसा

मंगलवार को पटना स्थित होटल चाणक्य में यूनिसेफ बिहार के तरफ से यूनिसेफ के द्वारा बिहार में संचालित कार्यों की समीक्षा के लिए एक बैठक हुई. इसमें बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार को भी अपने कार्यों को प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया. टीचर्स ऑफ बिहार के तरफ से प्रतिनिधि के रूप में शामिल भागलपुर जिले की शिक्षिका सह टीम की मॉडरेटर खुशबू कुमारी एवं नम्रता मिश्रा ने टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा प्रकाशित किये जाने वाले सारे डॉक्यूमेंट्स एवं विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से किये जा रहे शैक्षिक जागरूकता से संबंधित कार्यों की प्रस्तुति दी. इस समीक्षा बैठक में शामिल यूनिसेफ बिहार के चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस नफीसा विनते शफीक, प्रोग्राम मैनेजर शिवेंद्र पांडेय, शिक्षा विशेषज्ञ पुष्पा जोशी, कंसल्टेंट सैयद अब्दुल मोइन, प्लानिंग मॉनिटरिंग एंड इवेल्यूएशन स्पेशलिस्ट प्रसन्ना ऐश एवं वास ऑफिसर प्रभाकर सिन्हा ने भी ने भी टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा बिहार में शैक्षिक बेहतरी के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की है। यूनिसेफ बिहार की चीफ ऑफ फील्ड ऑफिस नफीसा विनते शफीक ने कहा कि बिहार के सरकारी विद्यालयों के बच्चों और शिक्षकों की प्रतिभाओं को और समाज में शिक्षकों के सम्मान को आगे बढ़ाने के लिए टीचर्स ऑफ बिहार लगातार प्रयास कर रहा है. जानकारी देते टीचर्स ऑफ बिहार के प्रवक्ता रंजेश कुमार एवं सहरसा के डिस्ट्रिक्ट मेंटर त्रिपुरारि राय ने बताया कि टीचर्स ऑफ बिहार के लिए सबसे खास बात यह रही कि यूनिसेफ के द्वारा पूर्व में भी टीचर्स ऑफ बिहार के संयुक्त तत्वावधान में कई शैक्षिक एवं जन जागरूकता से संबंधित कार्यों को संपादित करने का मौका मिला. लेकिन आज तक टीचर्स ऑफ बिहार के द्वारा इसके बदले में यूनिसेफ सहित किसी भी अन्य संस्था या गैर सरकारी संगठन से कोई भी राशि नहीं ली गयी. इसके बावजूद पूर्णतः निःस्वार्थ भाव से बिहार के शिक्षकों की बेहतरी के लिए टीचर्स ऑफ बिहार समर्पित होकर लगातार कार्य कर रही है.

टीचर्स ऑफ बिहार के इसी निःस्वार्थ कार्य की भावना को देखकर यूनिसेफ की टीम ने बिहार में अपने स्तर से किये जा रहे शैक्षिक कार्यों की बेहतरी के लिए अपने सहयोगी के रूप में मान्यता दी है. आने वाले समय में यूनिसेफ के द्वारा बिहार में जो भी कार्य शैक्षिक बेहतरी के लिए किए जाएंगे उसमें टीचर्स ऑफ बिहार की शैक्षिक बेहतरी के लिए अपने सहयोगी के रूप में जरूर साझा करें जिससे बिहार के लाखों शिक्षक आपके नवाचारी गतिविधि को अपने विद्यालय में अपना कर विद्यालय के बच्चों को लाभान्वित करा सकें। इसकी जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता रंजेश कुमार एवम् प्रदेश मीडिया समन्वयक-मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी

प्रस्तुति देतीं शिक्षिकाएं.

प्रभात खबर
22/12/2021

स्वाति कुमारी, वर्ग-6, म.वि.योगिया, परवलपुर

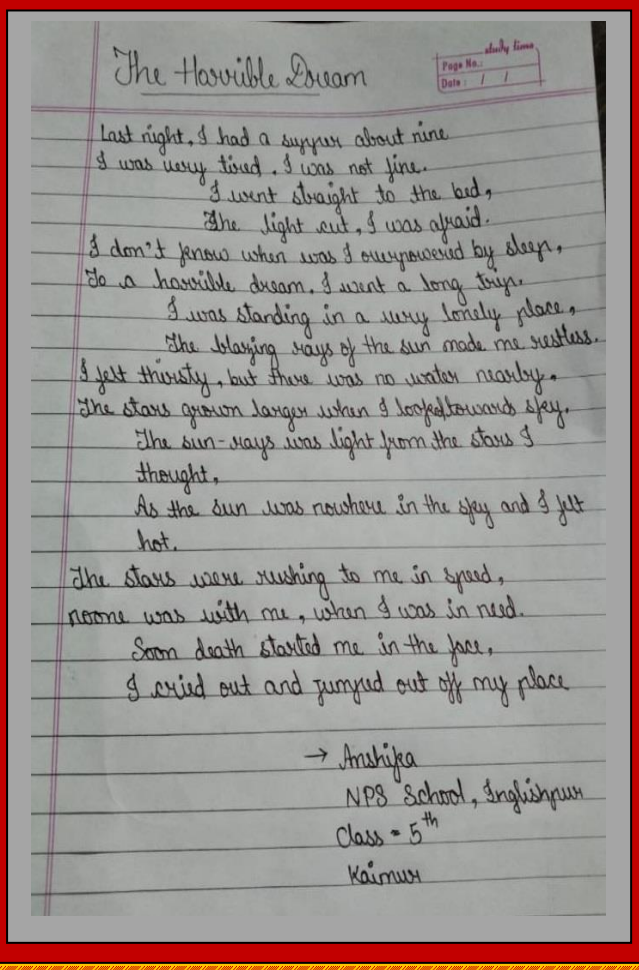

The Horrible Dream

Last night, I had a suyyun about nine
I was very tired. I was not fine.
I went straight to the bed,
The light out, I was afraid.
I don't know when was I overpowered by sleep,
To a horrible dream. I went a long trip.
I was standing in a very lonely place,
The blazing rays of the sun made me restless.
I felt thirsty, but there was no water nearby.
The stars grown larger when I looked towards sky.
The sun-rays was light from the stars I thought,
As the sun was nowhere in the sky and I felt hot.
The stars were rushing to me in speed,
noone was with me, when I was in need.
Soon death started me in the face,
I cried out and jumped out off my place

→ Anshika
NPS School, Englishpur
Class = 5th
Kaimur

Created with PDFBear.com

रोचक तथ्य

'लेटिपोरस सल्फ्यूरस' नाम के इस मशरूम का स्वाद एकदम चिकन जैसा होता है। इसे 'चिकन ऑफ़ द वुड' के नाम से भी जाना जाता है। इस प्रकार के मशरूम यूरोप और उत्तरी अमेरिका में पाए जाते हैं।

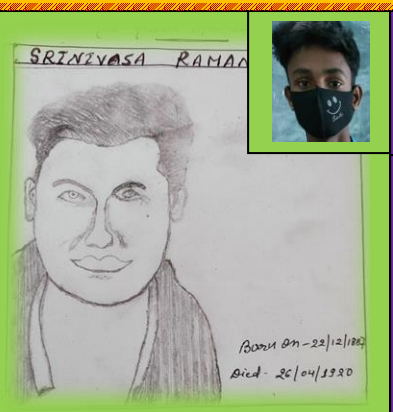

Abdul Baarik, Class -9,
MS Rampur BMC Forbesganj, Araria

Lakshmi kumari,
MS Bhanra Chandan, Banka

फुरकान आलम,वर्ग-8, नगरपालिका उर्दू मध्य विद्यालय, भभुआ

नंदिनी कुमारी, वर्ग- 5, मध्य विद्यालय अखलासपुर

Shreyash Jha, UMS Bihma, Tarapur, Munger

प्रियंका कुमारी, वर्ग-8, UMS Silouta

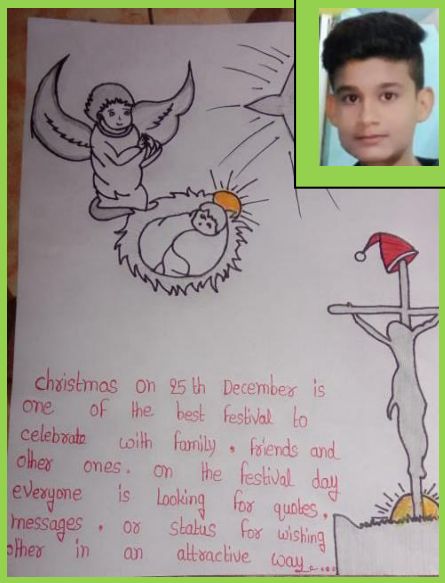

आशीष कुमार, वर्ग-8, UMS Silouta

Md. Mosim, Class-9,
उ० मा. वि.नवाबगंज, समेली, कटिहार

Created with PDFBear.com

सभी छात्रा म.वि.भनरा, चन्दन (बाँका) क्रमशः रूपा कुमारी, सलौनी कुमारी और लक्ष्मी कुमारी

रौशनी कुमारी,
वर्ग-9,
उ.मा.वि.
नवाबगंज समेली,
कटिहार

Kalyani Kumari, Class-8, UMS, Pokhram (Uttari), Darbhanga

मौसमी कुमारी, उ.म.वि.सिलौट, भभुआ, कैमूर

Rakesh Ram, Class-8, UMS Pokhram (Uttari), Darbhanga

Created with
PDFBear.com

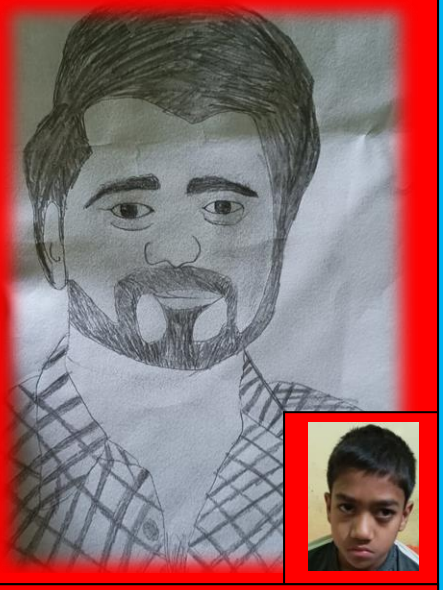

Amrit Raj, Class-6,
UMS, Pokhram (Uttari), Darbhanga

मेरा भारत बने ऐसा

मेरा भारत बने ऐसा
जैसा न किसी ने सोचा हो
हर शरहद को पार कर
आगे जो बढ़ता जाता हो।

न रुकता किसी राह पर
कदम कभी न थकते हों
मेरा भारत ऐसा हो
जहाँ सोने की चिड़ियाँ गाती हो।

जहाँ सूरज लाता है उम्मीद,
रोशनी को लेकर साथ,
जगमग मन के दीये जले यहाँ,
हर किरण के साथ।

जहाँ लोग वीर हों ऐसे,
शरहद पर जाने को तैयार,
जहाँ लोग मातृभूमि के लिए,
जान देने को हों तैयार।

मेरा भारत बने ऐसा
जैसा न किसी ने सोचा हो

मेरा भारत बने ऐसा
जहाँ कोई न भूखा सोता हो
गाँधी का सपना पूरा हो,
वो भारत देश ऐसा हो।

रचियता-इप्शिता रंजन
कक्षा-नवमी
विद्यालय-मध्य विद्यालय रामपुर,बी.एम.सी
फारबिसगंज, अररिया।

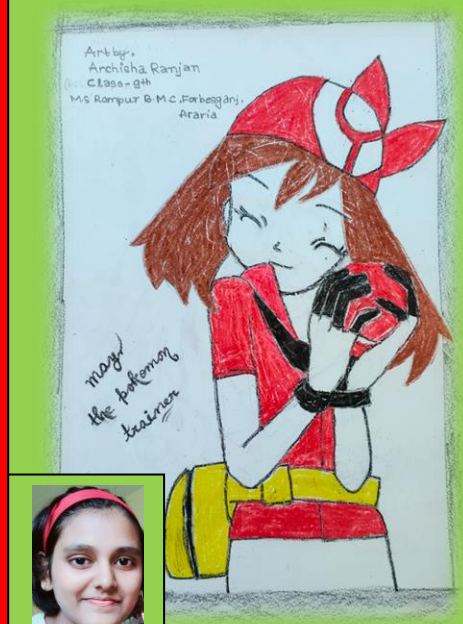

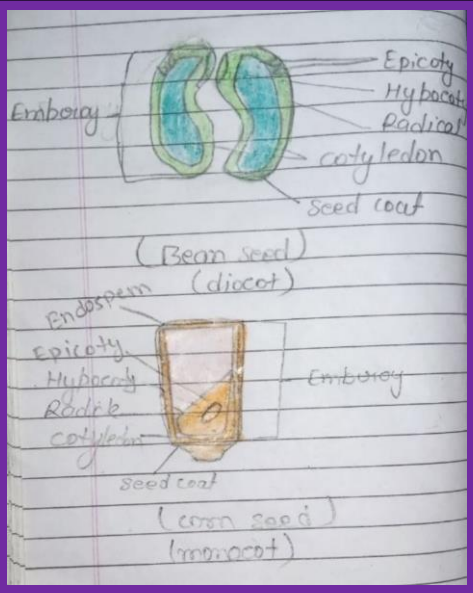

Shaurya Pandey,Class-6, GMS Tulsipatti, Kalyanpur, East Champaran

Created with
PDFBear.com

राज्यकृत बालिका उच्च विद्यालय मनेर, पटना के छात्राओं के द्वारा कई अवसरों पर सुन्दर झाँकियाँ निकाली गई |

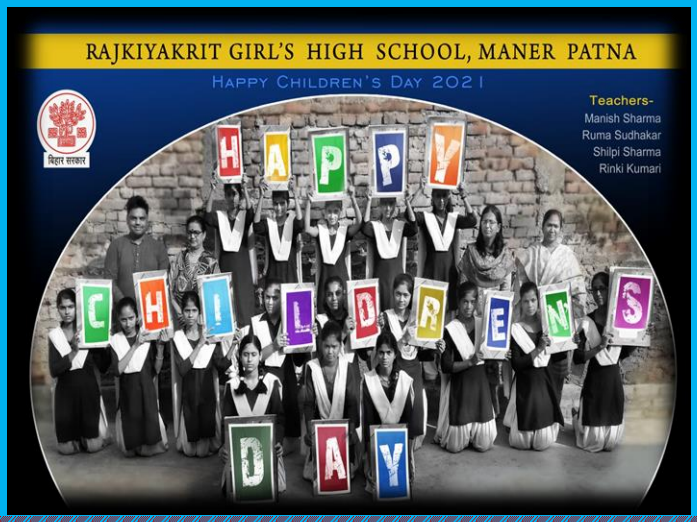

Created with
PDFBear.com

अन्नू यादव, वर्ग-8,
वि.उ.म.वि. सिलौटा,
भभुआ
जिला- कैमूर

आपकी बात आपकी जुबानी

बच्चों आपको बालमंच का ये अंक कैसा लगा हमें अवश्य बताएँ| आप हमें नीचे दिए गए किसी भी माध्यम email या whatsapp द्वारा सूचित कर सकते हैं|

email- balmanch.teachersofbihar@gmail.com

Whatsapp No. :- 6202839650

(Tripurari Roy)

धन्यवाद

नवंबर 2021

प्रमाण पत्र संख्या
ToB/Bal/2021/10

ToB उभरते सितारे

बालमंच

प्रशस्ति पत्र

रिफ़त नाज़

राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय भभुआ, कैमूर

को टीचर्स ऑफ बिहार के 'बालमंच- नन्हीं कलम से' ऑनलाइन ई-मैगजीन में उनके सहयोग, समर्पण एवं पेंटिंग के लिए 'ToB उभरते सितारे' के रूप में चयनित किया जाता है।

भविष्य के लिए असीम शुभकामनायें।

रूबी कुमारी
प्रधान संपादिका,बालमंच

त्रिपुरारि राय
संपादक एवं क्रिएटिव डिजाइनर, बालमंच

शिव कुमार
संस्थापक

www.teachersofbihar.org

उभरते सितारे

जिनको भी प्रशस्ति-पत्र मिल रहा है उनका लिस्ट इस लिंक पर उपलब्ध है:-
https://www.teachersofbihar.org/award

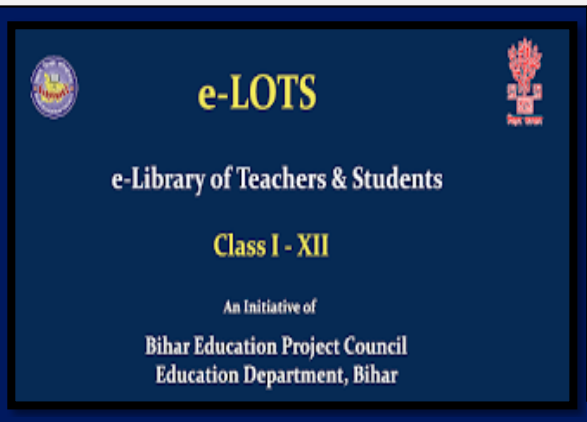

e-LOTS

e-Library of Teachers & Students

Class I - XII

An Initiative of

Bihar Education Project Council
Education Department, Bihar

Merry Christmas
AND
HAPPY NEW YEAR

समाप्त

Created with
PDFBear.com